आंख में गोली लगने से युवक की मौंत

मौंके पर पहुंची एसपी, पुलिस मामले का पर्दाफाश करने में जुटी

नवभारत न्यूज

अमानगंज/पन्ना 24 फरवरी। कल सोमवार को रात्रि मे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक युवक की आंख मे गोली मारकर हत्या किये जाने का मामला प्रकाश मे आया है।

सूचना मिलते ही अमानगंज टीआई रवि जादौन अपने दल बल के साथ मौंके पर पहुंच गये और एसपी पन्ना भी मौंके पर पहुंचकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये एवं परिजनों को आश्वस्त किया कि मामले का शीघ्र खुलासा कर आरोपियो को गिरफ्तार किया जायेगा।

मृतक की पहचान बलीराम चौधरी (पिता बिहारी चौधरी, उम्र 22 वर्ष) के रूप में हुई है, जो ककरहटी भदवा का निवासी था। बताया जा रहा है कि बलीराम बाहर रहकर मजदूरी करता था और दो दिन पहले ही अपने गांव लौटा था। कल उसका शव महेंदवा खिरवा हार क्षेत्र में एक झोपड़ी के पास मिला। मृतक की आँख में गोली लगी है, जिससे मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल पर पुलिस को थाली और रोटियां बिखरी हुई मिली हैं। इसे देखकर आशंका जताई जा रही है कि खेत में कोई पार्टी चल रही थी, जिस दौरान यह वारदात हुई। सूचना मिलते ही अमानगंज पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, पुलिस हर पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है। उपरोक्त घटना को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज के सामने ग्रामीणों ने चका जाम कर प्रदर्शन किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं मुआवजे की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद चका जाम समाप्त हुआ।

सस्ती कार बेचने का झांसा देकर 45 हजार की ठगी

एक आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 24 फरवरी। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा थाना अमानगंज के धारा 420 भादवि, 66 (ब) आई टी एक्ट में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सस्ते दाम में कार बेचने का विज्ञापन डालकर ऑनलाइन ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

हासिल जानकारी के अनुसार फरियादी जगदीश अहिरवार निवासी ग्राम जसवंतपुरा थाना अमानगंज द्वारा दिनांक 04 सितंबर 2021 को थाना अमानगंज में रिपोर्ट की गई थी कि मैनें फेसबुक मार्केटप्लेस पर मारुति सुजुकी अल्टो 800 कार बिक्री का विज्ञापन देखकर विज्ञापन में बताये गये मोबाइल नंबर पर संपर्क किया था। संपर्क करने पर अज्ञात मोबाइल उपयोगकर्ता द्वारा स्वयं को जबलपुर में आर्मी में कार्यरत होना बताया गया। कार बिक्री के संबंध में बातचीत किये जाने पर उक्त व्यक्ति द्वारा होम डिलीवरी शुल्क एवं अन्य शुल्क बताकर अलग-अलग किस्तों में कुल 44,599 रुपये ऑनलाइन माध्यम से जमा करवा लिए गये हैं परंतु अज्ञात व्यक्ति द्वारा आज दिनांक तक वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया है। थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक माधवी अग्निहोत्री के नेतृत्व में थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा मामले में फरियादी के साथ हुई धोखाधड़ी से संबंधित बैंक खातों की जानकारी एकत्रित की जाकर एक संदेही व्यक्ति को चिन्हित किया गया। थाना प्रभारी गुनौर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि संदेही व्यक्ति अलवर राजस्थान तरफजा रहा है। संदेही व्यक्ति सलीम मोहम्मद पिता याकूब उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम भड़ाका थाना गोपालगढ़ जिला डींग राजस्थान को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ की गई। पूँछताछ किये जाने पर उक्त व्यक्ति द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के बताये अनुसार आरोपी के कब्जे से नगद 44,585 रूपये एवं उपयोग किया जा रहा वीवो कंपनी का फोन जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

देवेंद्रनगर- सलेहा मार्ग की हालत जर्जर

नवभारत न्यूज

देवेंद्रनगर/पन्ना 24 फरवरी। पन्ना जिले का मुख्य व्यापारिक केंद्र देवेंद्रनगर को जोड़ने वाली सलेहा मार्ग की हालत जर्जर है और यह मार्ग इस समय विकास कार्य नहीं, बल्कि अव्यवस्था और गैर-जिम्मेदारी की मिसाल बन चुकी है।

सड़क किनारे डाले गए मिट्टी और बड़े-बड़े पत्थरों को बिना समतल किए छोड़ दिया गया है न चेतावनी बोर्ड, न बैरिकेडिंग, न रात में रिफ्लेक्टर ऐसे में हर गुजरता वाहन हादसे के खतरे से जूझ रहा है। बीती रात पत्थरों से टकराकर एक बाइक चालक दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चालक को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं हैकूलगातार छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। उड़ती धूल से हालात और भयावह हैं। राहगीरों और दुकानदारों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। सवाल उठता है क्या पीडब्ल्यूडी अधिकारी और संबंधित ठेकेदार सिर्फभुगतान लेने में सक्रिय हैं, जिम्मेदारी निभाने में नहीं? नगरवासियों का साफकहना है कि यह सीधी-सीधी लापरवाही और मनमानी है। बिना सुरक्षा मानकों का पालन किए काम कराया जा रहा है। अगर समय रहते पत्थरों को समतल नहीं किया गया, नियमित पानी का छिड़काव नहीं हुआ और सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की जाए। जनता पूछ रही है। क्या किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही जवाबदेही तय होगी?

सरकारी नौकरी के नाम पर 6 लाख की ठगी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 24 फरवरी। दिनांक 04 जनवरी को फरियादी रामचन्द्र निवासी पन्ना थाना कोतवाली पन्ना द्वारा थाना उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई गई कि भोपाल निवासी गिरीश पाल नामक व्यक्ति ने सरकारी नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर उसे विश्वास में लिया तथा अलग-अलग तिथियों में ऑनलाइन एवं नगद माध्यम से कुल लगभग 6,00,000/- (छः लाख रुपये) प्राप्त कर लिये।

फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना मे धारा 318 (4) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति निवेदिता नायडू के निर्देशन मे थाना प्रभारी कोतवाली निरी0 रोहित मिश्रा के नेतृत्व मे पुलिस टीम गठित कर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये । दौरान विवेचना के आधार पर आरोपी गिरीश पाल पिता मनसाराम पाल उम्र 45 वर्ष निवासी हर्षवर्धन नगर थाना टीटी नगर जिला भोपाल को भोपाल से दस्तयाब कर थाना कोतवाली पन्ना लाया गया।

आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने फरियादी को शासकीय नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर विश्वास में लिया तथा अलग-अलग तिथियों में फोन-पे के माध्यम से लगभग 5,80,000/- एवं 20,000/- नगद प्राप्त किये थे। आरोपी द्वारा बताया गया कि प्राप्त राशि में से 1,10,000/- रुपये वापस कर दिये गये तथा शेष 4,90,000/- रुपये अपनी पत्नी के इलाज में खर्च कर दिये हैं। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

होली को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

पंचमी के दिन माधवगंज में बंधेगी परिया

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 24 फरवरी। थाना परिषद अजयगढ़ में होली को लेकर शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी हरि सिंह ठाकुर दीपेंद्र तिवारी की उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में सभी से होली के विषय में होलिका दहन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं टीआई ने स्पष्ट रूप से कहा कि होली में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की पहली प्राथमिकता है।

होली के दिन लोग नशे की हालत में ना मिले जो नशे की हालत में मिलेगा उसे पर पुलिस वैधानिक कार्यवाही करेगी केमिकल के रंगों का उपयोग नहीं किया। जाएगा होली आपसी भाईचारे के साथ मनाई जाएगी एवं होली के दिन सभी लोग अपनी परंपरा के मुताबिक होली पर मनाई होलिका दहन करें।

होली की पंचमी को माधवगंज में रियासत्कालीन समय से चली आ रही परिया बधने की परंपरा भी निभाई जाएगी जिसमें एक ऊंचे लट्ठे के ऊपर गुड और इनाम राशि बांधी जाती है पुरुष और महिला जोर आजमाइश करके तीन प्रयास में चढ़ने का प्रयास करते हैं महिलाएं रोक लेती हैं तो महिला विजेता बनती हैं और पुरुष चढ़कर गुड़ की पारी लाल कपड़े में बंधी हुई उतार ले तो पुरुष विजेता होते हैं एक तरह से कहा जाए तो यह रियासत कालीन समय से लट्ठ मार होली के रूप में मनाई जाती है महिला लम्बा गीला बास के लट्ठे मरती है और पुरुष बास के डंडे लेकर उनका बचाव करते हैं अजयगढ़ में पंचमी के दिन तक होली का रंग तेज रहता है।

दुर्लभ प्रजातियों के रोपण, कृषि वानिकी विस्तार व प्रसंस्करण पर किसानों से हुई विस्तृत चर्चा

नवभारत न्यूज

पन्ना 24 फरवरी। दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा 24 फरवरी को शाहनगर स्थित वन विश्राम गृह परिसर में आरईटी एवं एग्रो फॉरेस्ट्री कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रवीण चंद्र दूबे रहे, जबकि कर्नल सुरेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की जानकारी देने हेतु वरिष्ठ उद्यानिकी विकास अधिकारी हरिकांत सायलवार को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में वनमण्डल अधिकारी अनुपम शर्मा, प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारी पंकज चौधरी, प्रशिक्षु राज्य वन सेवा अधिकारी अंकुर गुप्ता, शाहनगर रेंज ऑफिसर राजुल कटारे सहित सभी परिक्षेत्रों के रेंज अधिकारी, लगभग 70 वनकर्मी, 60 प्रगतिशील कृषक, 10 पारंपरिक वैद्य एवं अन्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य आरईटी प्रजातियों के संरक्षण एवं कृषि वानिकी को बढ़ावा देना रहा। ऐसी वनस्पतियां जो दुर्लभ हैं, संकटग्रस्त हैं या जिनकी संख्या तेजी से घट रही है और जिन्हें संरक्षण की विशेष आवश्यकता है। इन प्रजातियों का संरक्षण पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए जैव विविधता सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चर्चा के दौरान अचार, चिरौंजी, आंवला, बेल, सीताफल, जामुन, बेर, बहेरा, हर्रा तथा करोंदा जैसी प्रजातियों की संभावनाओं पर विचार किया गया। किसानों ने आंवला में कीट समस्या, गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्धता, बंदरों एवं पक्षियों से फसल हानि तथा सिंचाई जल की कमी जैसी प्रमुख समस्याएं सामने रखीं।

साथ ही यह निर्णय लिया गया कि कुछ सक्रिय एवं इच्छुक कृषकों को प्रतापगढ़, उद्यानिकी संस्थान लखनऊ, वाराणसी तथा रीवा के अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाएगा, ताकि वे सफल मॉडल देख सकें। मुख्य अतिथि प्रवीण चंद्र दूबे ने अपने उद्बोधन में आरईटी प्रजातियों के वन एवं गैर वन क्षेत्रों में रोपण को बढ़ावा देने पर बल दिया। विगत दशकों में कई उपयोगी प्रजातियां अत्यधिक दोहन के कारण विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई हैं। समापन संबोधन में वनमण्डल अधिकारी ने वनकर्मियों को करंज, सिस्सु और सागौन जैसी पारंपरिक प्रजातियों को छोड़ कर प्रजातियों पर विशेष ध्यान देने, रोपनियों का नियमित निरीक्षण करने तथा इस वर्ष पौधारोपण क्षेत्रों में रोपित प्रजातियों के आधार पर बायोडायवर्सिटी इंडेक्स की गणना करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि प्रवीण चंद्र दूबे एवं विशिष्ट अतिथि कर्नल सुरेंद्र सिंह द्वारा 10 पारंपरिक वैद्यों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

आदिवासी बाहुल्य कल्दा में हुई जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

नवभारत न्यूज

पवई 24 फरवरी। राष्ट्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय के तत्वाधान में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के तहत कबड्डी एवं संकल्प से समाधान अभियान क्लस्टर स्तर का पवई जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले आदिवासी बाहुल्य ग्राम कल्दा में मंगलवार को संपन्न हुआ।

जहां जिला कलेक्टर श्रीमती उषा परमार एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे के द्वारा सबसे पहले दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गयाएइसके पश्चात जिला स्तरीय की कबड्डी टीम जिसमें पन्नाए गुनौरएशाहनगरएअजयगढ़ए पवई की टीमों ने भाग लिया जिसमें पहले स्थान पर आने वाली टीम को 21 हजारएद्वितीय स्थान 11 हजारए तृतीय स्थान पर 5500हजार और खिलाड़ियों के लिए जर्सी सेट भी दिया गयाए इसके अलावा बाकी टीमों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1100 रुपए प्रदान किए गए। इसके अलावा रस्सा खेलए बोरा दौड़ का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्रामीणों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया साथ ही ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास प्रमाण पत्रए लाडली लक्ष्मी प्रमाण पत्रएश्रवण यंत्रएट्राई साइकिल एवं कुपोषित महिलाओं के लिए पोषण सामग्री वितरित की गई। इसके साथ ही संकल्प से समाधान शिविर के तहत आयुष विभाग के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा लगाया गया जिसमें ग्रामीण जनों की जांच कर उन्हें दवाइयां प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावीए जनपद पंचायत सीईओ अखिलेश उपाध्यायएमंडल अध्यक्ष निधि पटेरिया पवईए जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सुखदेव सिंहएग्राम पंचायत सचिव अनिल कुमार सक्सेना सहित खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

पन्ना 24 फरवरी। दिनांक 23 फरवरी से आरम्भ महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय जयपुर राजस्थान द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय अंतर्विश्वविद्यालय शतरंज महिला प्रतियोगिता में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना की दो छात्राओं ऋतु उपाध्याय बी.एस.सी. तृतीय वर्ष एंव किमि जैन एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर का चयन महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के शतरंज महिला दल में किया गया है।

महाविद्यालय की दोनों छात्राएं इससे पूर्व दिसंबर माह में आयोजित राज्य स्तर एवं अक्तूबर माह मे आयोजित संभाग स्तर की शतरंज प्रतियोगिताओं में भी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। महाविद्यालय की इस शानदार खेल उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है एवं छात्राओं की इस सफलता पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.एस.डी चतुर्वेदी द्वारा शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रेषित किया है।

पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 24 फरवरी। दिनांक 14 फरवरी को फरियादिया श्रीमती गीता गुप्ता अपने परिवार सहित शादी में बसारी (जिला छतरपुर) गई हुई थीं। घर पर उनकी सास अकेली थीं।

वापस आने पर घर का सामान बिखरा मिला तथा कासे के कटोरे, स्टील के गिलास, साड़ियां, डीजे बुकिंग मशीन, बच्ची के कपड़े एवं नगदी सहित लगभग 90,000/- रुपये का मशरूका अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी किया जाना पाया गया। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना में धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा संदेह के आधार पर आरोपी राकेश कोंदर उर्फ बंदू उर्फ रामस्वरूप आदिवासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी से चोरी गया मशरूका जप्त कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

नहर में गिरे नीलगाय शावक का वन विभाग व ग्रामीणों ने किया रेस्क्यू

पन्ना 24 फरवरी। दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र पवई के बीट सुर्रू में आज नहर में गिरकर फंसे एक नीलगाय के बच्चे की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से सावधानीपूर्वक नहर से शावक का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया तथा प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे सुरक्षित रूप से समीपस्थ वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

एक सैंकड़ा पशुओं एवं चार वाहनों सहित पशु तस्कर गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 24 फरवरी। एसपी पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के दिशा निर्देशन एवं एसडीओपी अजयगढ़ राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन मे अजयगढ़ में नवागत थाना प्रभारी हरि सिंह ठाकुर ने बीती रात मुखबिर की सूचना उत्तर प्रदेश बूचड़खाने ले जाए जा रहे एक सैकड़ा पशुओं को पशु तस्करों सहित पकड़ा है।

पशु तस्कर पिकअप वाहनों में क्रूरता पूर्वक मवेशियों को चोरी छुपे उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। जिस पर कार्यवाही करते हुए लगभग एक सैकड़ा भेस सहित चार वाहन जप्त किए गए गए है, जप्त मवेशियों को गौशाला भानपुर कान्हा गोशाला में सुरक्षित रखा गया है और पशु तस्करों पर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है।

पंचायत दर्पण पोर्टल में मनमानी अपलोड होते हैं अपठनीय आदेश

नवभारत न्यूज

पन्ना 24 फरवरी। ग्रामीण विकास में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अरबों रूपये खर्च किये जाते हैं। योजनाओं के संचालन के लिये पोर्टल बना हुआ है। जहां उन योजनाओं के आय व्यय से लेकर हर तरह का डाटा रखा जाता है। कहते हैं कि इस डाटा का उच्च स्तर पर विश्लेषण किया जाता है।

सक्षम अधिकारियों द्वारा मानीटरिंग की जाती है। किन्तु जहां स्थिति ऐसी हो कि कार्यो की स्वीकृति एवं भुगतान से संबंधित बाउचर पोर्टल में अपठनीय अपलोड कर दिये जांय, जिसे कोई पढ़ ही न पाये तो इसे क्या कहा जायेगा। जबकि उन्ही बिल बाउचरों के माध्यम से विभाग द्वारा भुगतान किया जाता है। ऐसे आदेशों को पोर्टल में अपलोड किया जाता है ताकि यह प्रमाण रहे कि किस कार्य में कितनी राशि व्यय की गई।

करोड़ों के भुगतान संबंधी देयक पठनीय नहीं:- मामला चाहे ग्राम पंचायत का हो, जनपद का हो अथवा जिला पंचायत का देखा जा सकता है कि भुगतान से संबंधित कई देयक जो पोर्टल पर अपलोड किये गये हैं वे साफनहीं है, उन्हें न तो लैस से पढ़ा जा सकता, न सामान्य रूप से पढ़ा जा सकता है, न हीं अपलोड करने वाला ही पढ़ सकता है कि प्रस्तुत देयक एवं स्वीकृत आदेश में लिखाया है? इसलिये यह जांच का विषय है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है।

पोर्टल पर विा से संबंधित ऐसे अभिलेख यों अपलोड किये जा रहे हैं जो साफनहीं है, पढने लायक ही नहीं हैं और जिनके माध्यम से लाखों करोड़ों का भुगतान किया जाता है। बात साफ है कि इसके पीछे दाल में कुछ काला है क्योंकि जहां क्रियान्वयन में कमियां होती हैं, भ्रष्टाचार होता है तो बचने का प्रयास किया जाता है। अभिलेखों को छिपाने का प्रयास किया जाता है। कंप्यूटर में जहां कोई जानकारी पोर्टल में अपलोड करनी है यदि उसका प्रिंट ही ऐसा निकाला जायेगा जो पढने लायक नही होगा तो अपलोड करने के बाद जो भी उसे देखेगा कोई सवाल ही नहीं खड़ा पायेगा।

कार्यस्थल की फोटो में भी नहीं दिखती स्पष्टता

कई योजनाओं में यह भी निर्देश हैं कि कार्यस्थल की फोटो ली जाय और उसे उस कार्य में अपलोड किया जाय। किन्तु देखा जा सकता है कि पोर्टल में या तो फोटो अपलोड नही होती। यदि होती भी है तो वह साफनहीं होती। नाली की फोटो, सड़क की फोटो अथवा अन्य कोई फोटो सब एक जैसी दिखाई देती हैं। जिससे यह पता नहीं चलता कि जो कार्य पूर्ण या अपूर्ण स्थिति में है उसकी वास्तविकता क्या है। फोटो की स्पष्टता को लेकर आज तक कोई कार्रवाई जिम्मेदारों के खिलाफनहीं हुई। इसलिये जो चल रहा था वह चल रहा है।

फिर कंप्यूटर प्रिंटर आदि के नाम लाखों का खर्च क्यों?

यह भी सवाल है कि पंचायत से लेकर जनपद एवं जिला पंचायत तक कई लाख रूपये कंप्यूटरों की मरम्मत, प्रिंटर की मरम्मत, खरीदी आदि में खर्च ही होते रहते हैं। वर्तमान समय पर ई-आफिस की व्यवस्था भी लागू कर दी गई है। लिहाजा ऐसी स्थिति में कंप्यूटर के माध्यम से होने वाली इन्ट्री स्पष्ट होनी चाहिये। अपलोड होने वाले अभिलेख भी पठनीय होने चाहिये। यदि अपलोड होने वाले अभिलेख स्पष्ट नहीं हैं, पठनीय नहीं हैं तो यह माना जायेगा कि इसके पीछे बहुत बड़ा वित्तीय घोटाला हो रहा है। साक्ष्य को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। जहां सबसे अधिक पंचायतों व जनपदों में यह सब हो रहा है। जिसके चलते भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। लिहाजा ऐसे जिम्मेदारों के खिलाफकार्रवाई होनी चाहिये।